RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ई-पाठशाला कार्यक्रम

Class 12th HISTORY

ईंटें, मनके तथा अस्थियाँ

हड़प्पा सभ्यता 02

RAPID REVISION



वस्तुनिष्ठ प्रश्न

Q.1 मेसोपोटामिया के लेख 'मेलुहा' को किसका देश कहते हैं? (Model Paper-2025)

हड़प्पा

A नाविकों का देश

B वीरों का देश

C दासों का देश

D मवेशियों का देश

1 Mark

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

Q.2 नागेश्वर और बालाकोट किस शिल्प के विशेष केंद्र थे? (Model Paper-2025)

भारत

पाकिस्तान



(A) धातु के औजार

(B) मृदभाण्ड

(C) शंख की वस्तुएँ

(D) पकी ईंटें

1 Mark

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

Q.3 सिंधु घाटी सभ्यता की सबसे विशिष्ट पुरावस्तु कौन-सी है? (RBSE-2022)



A आवास

B औजार

C मुहर

D आभूषण

1 Mark

रिक्त स्थान

Q.1 खेतड़ी क्षेत्र में मिले साक्ष्यों को पुरातत्वविदों ने ..... संस्कृति का नाम दिया है।

(Model Paper-2026)

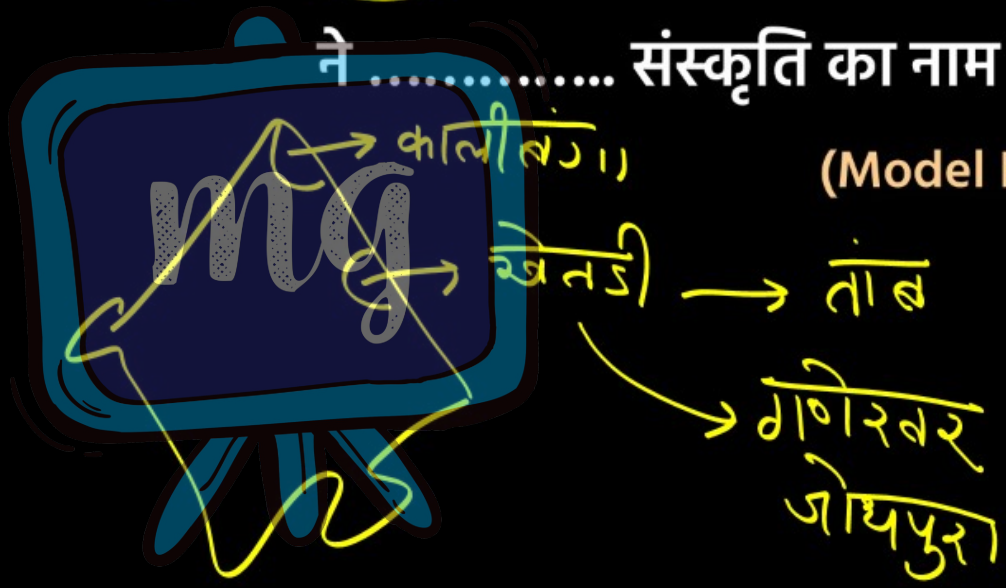

1 Mark

रिक्त स्थान

Q.1 खेतड़ी क्षेत्र में मिले साक्ष्यों को पुरातत्वविदों ने ..... संस्कृति का नाम दिया है।

(Model Paper-2026)

उत्तर : गणेश्वर-जोधपुरा संस्कृति।

1 Mark

रिक्त स्थान

Q.2 सिंधु सभ्यता में बाट सामान्यतः ..चर्ट..... नामक पत्थर से बनाए जाते थे।

(RBSE-2024)



1 Mark

रिक्त स्थान

Q.2 सिंधु सभ्यता में बाट सामान्यतः ..... नामक पत्थर से बनाए जाते थे।

(RBSE-2024)

उत्तर : चर्ट

1 Mark

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.1 हड़प्पा सभ्यता में 'फ़यॉन्स' क्या था?

(Model Paper-2025)



अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.1 हड़प्पा सभ्यता में 'फ़यॉन्स' क्या था?

(Model Paper-2025)

उत्तर : घिसी हुई रेत अथवा बालू, रंग तथा चिपचिपे पदार्थ के मिश्रण को पकाकर बनाए गए पदार्थ को फ़यॉन्स कहा जाता था। इससे छोटे पात्र और मनके जैसी वस्तुएँ बनाई जाती थीं।

Q.2 कीमती पुरावस्तुओं की पहचान का एक आधार लिखिए।

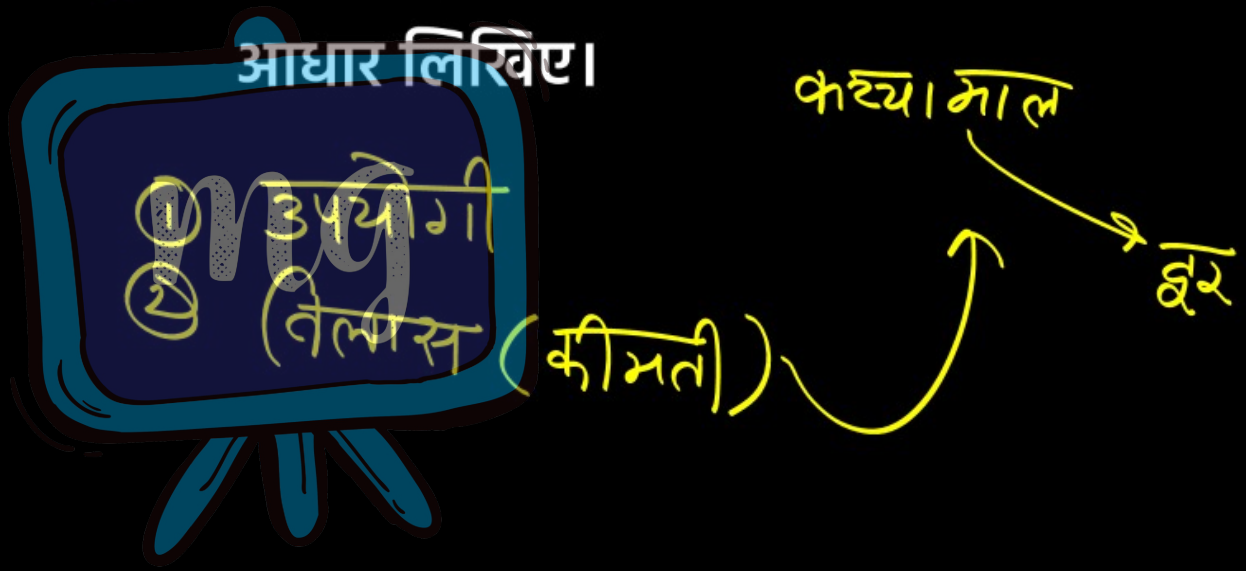

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.2 कीमती पुरावस्तुओं की पहचान का एक आधार लिखिए।

उत्तर : उनका दुर्लभ, महँगा अथवा स्थानीय स्तर पर अनुपलब्ध पदार्थों से बना होना।

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.3 सिंधु घाटी सभ्यता के निवासियों के लिए सेलखड़ी पत्थर की क्या उपयोगिता थी?

(RBSE-2023)



अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.3 सिंधु घाटी सभ्यता के निवासियों के लिए सेलखड़ी पत्थर की क्या उपयोगिता थी?

(RBSE-2023)

उत्तर : सेलखड़ी बहुत मुलायम पत्थर था। इस पर आसानी से कार्य किया जा सकता था। इसके चूर्ण के लेप को साँचे में ढालकर विभिन्न आकारों के मनके भी तैयार किए जाते थे।

Q.4 चन्हुदड़ो में किए जाने वाले दो शिल्प कार्य लिखिए।



अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.4 चन्हुदड़ो में किए जाने वाले दो शिल्प कार्य लिखिए।

उत्तर : मनके बनाना और शंख की कटाई।

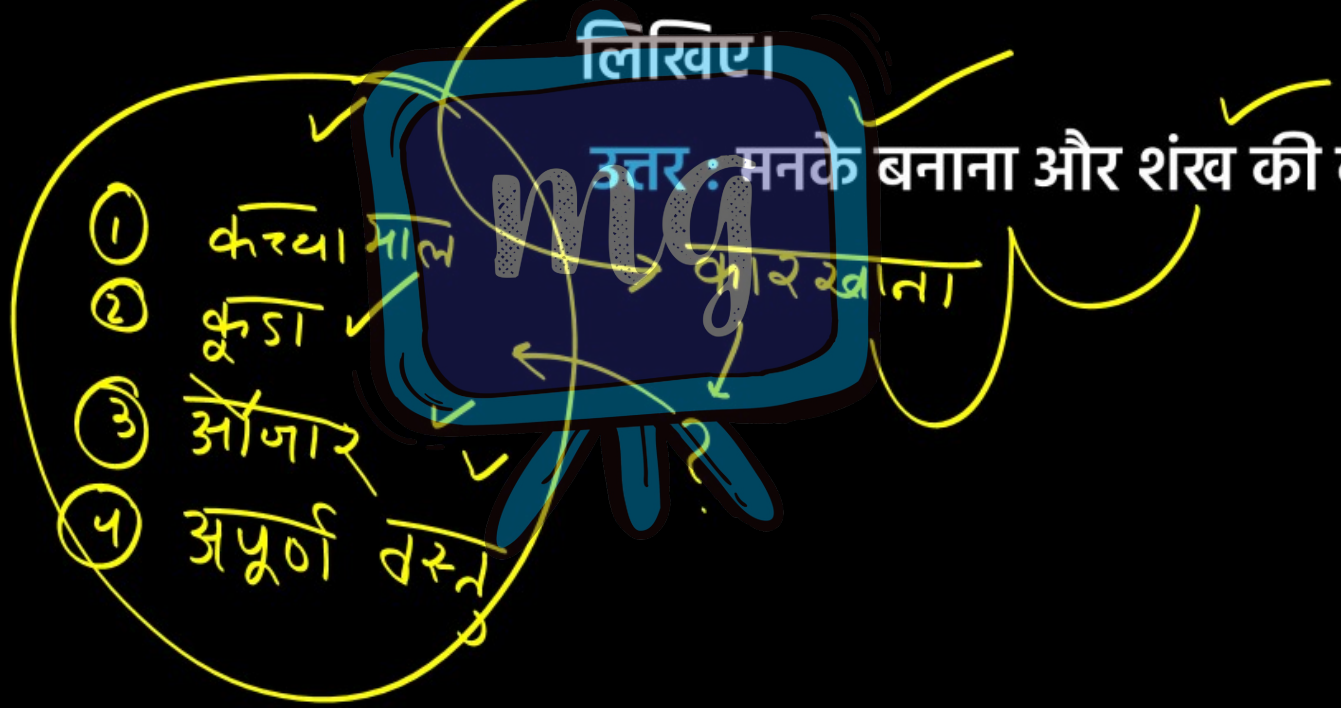

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.5 जॉन मार्शल ने सिंधु घाटी में एक नवीन सभ्यता की खोज की घोषणा कब की?

(RBSE-2022)



अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.5 जॉन मार्शल ने सिंधु घाटी में एक नवीन सभ्यता की खोज की घोषणा कब की?

(RBSE-2022)

उत्तर : 1924 ई. में।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

MCQ. रिक्त अति लघु

१ शब्द १ शब्द 1 शब्द

1 Line



लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.1 हड़प्पा सभ्यता की तीन प्रमुख विशेषताएँ बताइए।



लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.1 हड़प्पा सभ्यता की तीन प्रमुख विशेषताएँ बताइए।

उत्तर :

1. सुनियोजित नगर एवं विकसित जल-निकास व्यवस्था।
2. मानकीकृत ईंटें, बाट और मुहरें।
3. विकसित शिल्प-उत्पादन और लंबी दूरी के संपर्क।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.2 सिंधु घाटी सभ्यता में सिंचाई के लिए किन-किन साधनों का प्रयोग किया जाता था? (RBSE-2025)

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.2 सिंधु घाटी सभ्यता में सिंचाई के लिए किन-किन साधनों का प्रयोग किया जाता था? (RBSE-2025)

उत्तर :

1. शोर्तुघई से नहरों के कुछ अवशेष मिले हैं।
2. कुओं के पानी का प्रयोग संभवतः सिंचाई के लिए किया जाता था।
3. धौलावीरा के जलाशयों का प्रयोग संभवतः जल-संचयन के लिए किया जाता था।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

4. अधिकांश हड़प्पाई स्थल अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में स्थित थे, इसलिए कृषि के लिए सिंचाई की आवश्यकता रही होगी।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.3 हड़प्पाई नगर-योजना एवं जल-निकास व्यवस्था की विशेषताएँ बताइए।



लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.3 हड़प्पाई नगर-योजना एवं जल-निकास व्यवस्था की विशेषताएँ बताइए।

उत्तर :

1. नगर सामान्यतः दुर्ग और निचले शहर में विभाजित थे।
2. सड़कें तथा गलियाँ ग्रिड पद्धति पर बनाई गई थीं।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

3. सड़कें एक-दूसरे को समकोण पर काटती थीं।
4. घरों की नालियाँ गलियों की मुख्य नालियों से जुड़ी थीं।
5. मुख्य नालों को हटाई जा सकने वाली ईंटों से ढका गया था।
6. ठोस पदार्थ एकत्र करने और सफाई के लिए हौदियाँ तथा मलकुंड बनाए गए थे।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.4 हड़प्पावासियों की स्वच्छता एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता स्पष्ट कीजिए।



लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.4 हड़प्पावासियों की स्वच्छता एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

1. हर घर में ईंटों के फर्श वाला स्नानघर होता था।
2. घरों का गंदा पानी व्यवस्थित नालियों में जाता था।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

3. ठोस पदार्थ एकत्र करने के लिए हौदियाँ या मलकुंड बनाए गए थे।
4. मुख्य नालियाँ ढकी हुई थीं और उनकी सफाई की जा सकती थी।
5. लंबे नालों में कुछ अंतरालों पर सफाई के लिए हौदियाँ बनी थीं।
6. छोटी बस्तियों में भी जल-निकास व्यवस्था मिली है।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.5 हड़प्पाई शवाधान स्थलों की तीन विशेषताएँ बताइए।



लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.5 हड़प्पाई शवाधान स्थलों की तीन विशेषताएँ बताइए।

उत्तर :

1. मृतकों को सामान्यतः गर्तों में दफनाया जाता था।
2. कुछ गर्तों की सतह पर ईंटों की चिनाई होती थी।
3. कुछ कब्रों में मृदभाण्ड, आभूषण तथा ताँबे के दर्पण मिले हैं।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.6 हड़प्पाई धर्म एवं शवाधान प्रथाओं की तीन विशेषताएँ लिखिए।



लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.6 हड़प्पाई धर्म एवं शवाधान प्रथाओं की तीन विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर :

1. विशाल स्नानागार को संभावित आनुष्ठानिक स्नान से जोड़ा गया है।
2. मृतकों को सामान्यतः गर्तों में दफनाया जाता था।
3. कुछ कब्रों में मृदभाण्ड और आभूषण रखे गए थे।

Q.7 शवाधानों से हड़प्पाई सामाजिक-आर्थिक भिन्नताओं की जानकारी कैसे मिलती है?

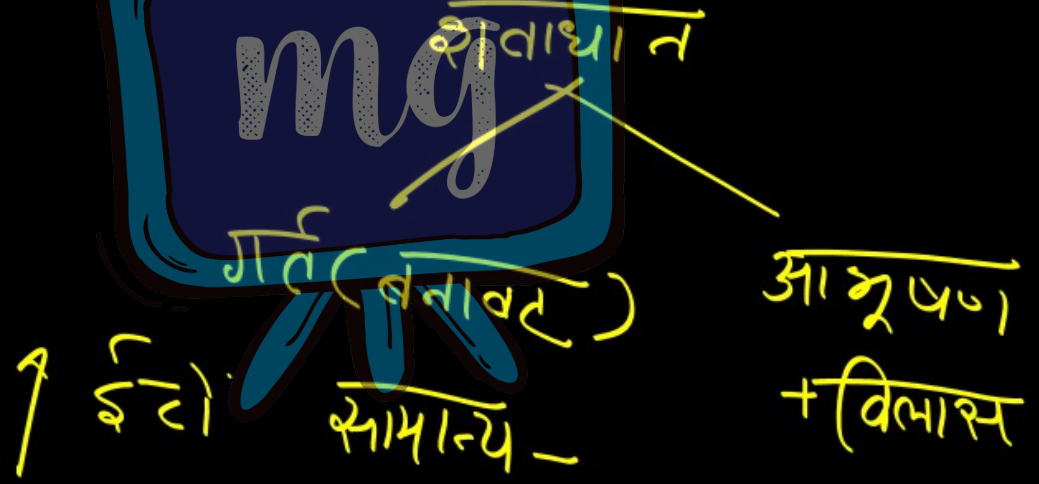

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.7 शवाधानों से हड़प्पाई सामाजिक-आर्थिक भिन्नताओं की जानकारी कैसे मिलती है?

उत्तर :

1. शवों को सामान्यतः गर्तों में दफनाया जाता था।
2. कुछ गर्तों की सतह पर ईंटों की चिनाई की गई थी।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

3. कब्रों की बनावट में भिन्नता मिलती है।
4. कुछ कब्रों में मृदभाण्ड, आभूषण और ताँबे के दर्पण मिले हैं।
5. पुरुषों और महिलाओं दोनों के शवों के साथ आभूषण मिले हैं।
6. बहुमूल्य वस्तुएँ बहुत कम मिलने के कारण सामाजिक भिन्नता का निश्चित निष्कर्ष निकालना कठिन है।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

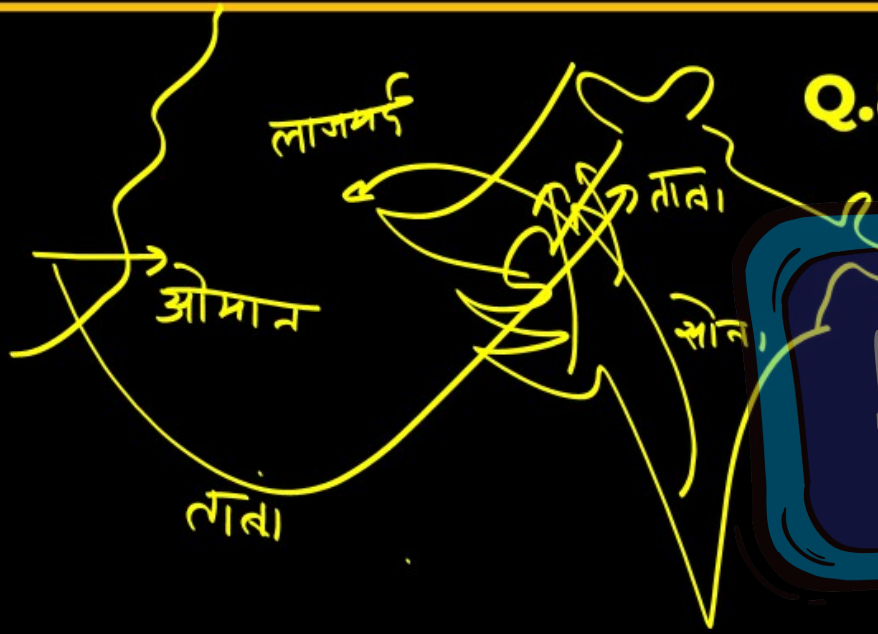

Q.8 हड़प्पा सभ्यता के लंबी दूरी के संपर्कों के प्रमाण दीजिए।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.8 हड़प्पा सभ्यता के लंबी दूरी के संपर्कों के प्रमाण दीजिए।

उत्तर :

1. मेसोपोटामिया के स्थलों से हड़प्पाई मुहरें, बाट, पासे और मनके मिले हैं।
2. मेसोपोटामियाई लेखों में मेलुहा, मगान और दिलमुन का उल्लेख है।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

3. ओमानी तथा हड़प्पाई ताँबे में निकल के समान अंश मिले हैं।
4. ओमान में काली परत वाले बड़े हड़प्पाई मर्तबान मिले हैं।
5. मुहरों पर जहाजों और नावों के चित्र मिले हैं।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.9 हड़प्पावासी कच्चा माल किस प्रकार प्राप्त करते थे?



लघूत्तरात्मक प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.9 हड़प्पावासी कच्चा माल किस प्रकार प्राप्त करते थे?

उत्तर :

1. मिट्टी जैसे स्थानीय कच्चे माल का स्थानीय स्तर पर प्रयोग किया जाता था।
2. कच्चे माल के स्त्रोतों के समीप बस्तियाँ स्थापित की जाती थीं।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

3. नागेश्वर और बालाकोट में शंख के स्त्रोतों के पास बस्तियाँ बसाई गई थीं।
4. शोर्तुघई लाजवर्द मणि के अच्छे स्त्रोत के निकट स्थित था।
5. खेतड़ी क्षेत्र से ताँबा प्राप्त करने के लिए अभियान भेजे जाते थे।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

6. दक्षिण भारत से सोना प्राप्त करने के लिए अभियान भेजे जाते थे।

7. स्थल, नदी तथा तटीय मार्गों का प्रयोग किया जाता था।



लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.10 शिल्प-उत्पादन केंद्रों की पहचान किन प्रमाणों से होती है?



लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.10 शिल्प-उत्पादन केंद्रों की पहचान किन प्रमाणों से होती है?

उत्तर :

1. प्रस्तर पिंड, पूरे शंख और ताँबे के अयस्क जैसा कच्चा माल।
2. निर्माण में प्रयुक्त औजार।
3. अधूरी अथवा अपूर्ण वस्तुएँ।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

4. त्यागा हुआ माल।
5. शंख और पत्थर के कटे हुए टुकड़े।
6. उत्पादन स्थल पर मिला कूड़ा-करकट।



लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.11 लोथल और चन्हुदड़ो में मनके किस प्रकार बनाए जाते थे?

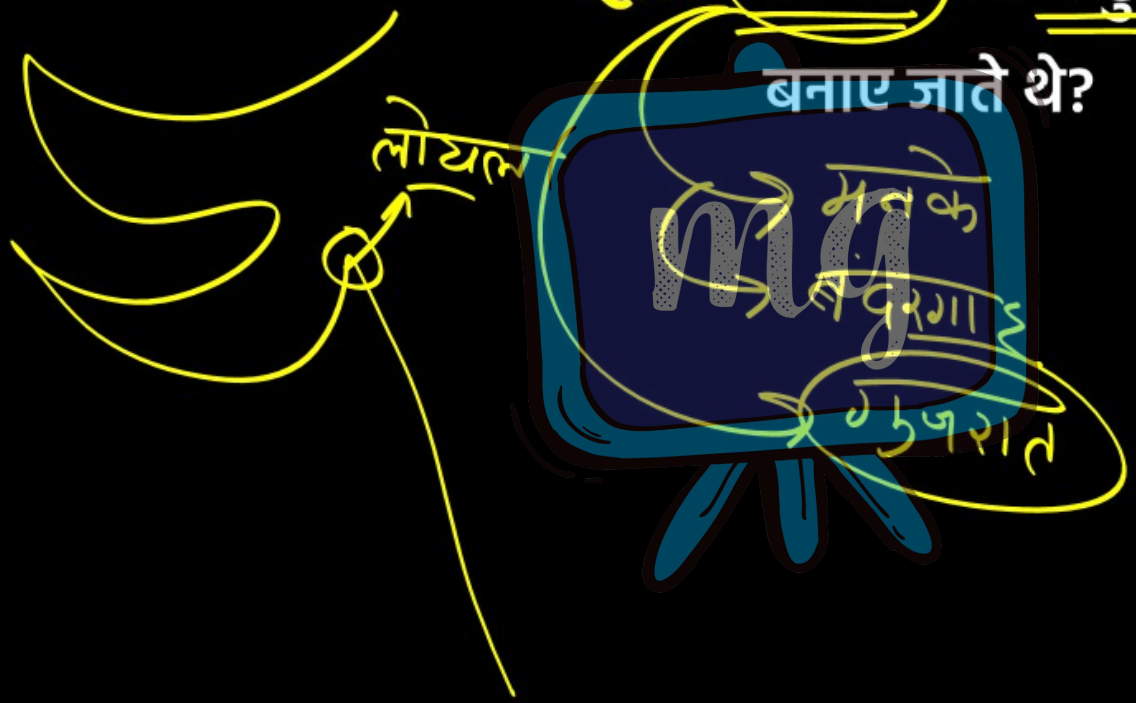

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.11 लोथल और चन्हुदड़ो में मनके किस प्रकार बनाए जाते थे?

उत्तर :

1. पत्थर के पिंडों को पहले अपरिष्कृत आकारों में तोड़ा जाता था।
2. बारीक शल्क निकालकर उन्हें अंतिम आकार दिया जाता था।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3. कार्नीलियन के कच्चे माल को विभिन्न चरणों में आग में पकाकर लाल रंग प्राप्त किया जाता था।
4. मनकों की घिसाई और पॉलिश की जाती थी।
5. अंत में विशेष औजारों से उनमें छेद किया जाता था।
6. लोथल और चन्हुदड़ो से छेद करने के विशेष उपकरण मिले हैं।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.12 सिंधु घाटी सभ्यता में बाट का उपयोग किस उद्देश्य से किया जाता था? (RBSE-2026)



लघूत्तरात्मक प्रश्न

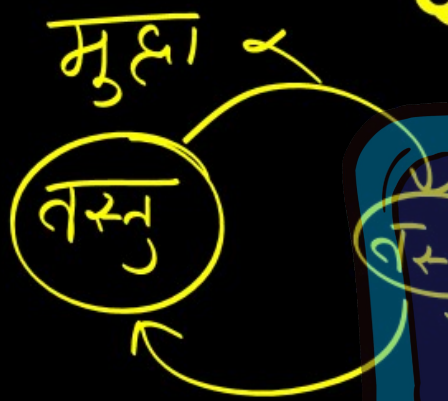

Q.12 सिंधु घाटी सभ्यता में बाट का उपयोग किस उद्देश्य से किया जाता था? (RBSE-2026)

उत्तर :

1. बाटों का प्रयोग वस्तुओं के विनिमय को नियंत्रित करने के लिए होता था।
2. छोटे बाटों से संभवतः आभूषण और मनके तौले जाते थे।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

3. बाटों की परिशुद्ध प्रणाली विनिमय में निश्चित माप उपलब्ध कराती थी।
4. धातु के तराजू के पलड़े भी मिले हैं।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.13 सिंधु घाटी सभ्यता में प्रचलित बाटों की कोई दो विशेषताएँ बताइए। (RBSE-2022)



लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.13 सिंधु घाटी सभ्यता में प्रचलित बाटों की कोई दो विशेषताएँ बताइए। (RBSE-2022)

उत्तर :

1. बाट सामान्यतः चर्ट पत्थर से बने, घनाकार और निशान-रहित होते थे।
2. निचले मानदंड द्विआधारी तथा ऊपरी मानदंड दशमलव प्रणाली पर आधारित थे।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.14 सिंधु सभ्यता से प्राप्त मुहरों पर बनी आकृतियों का विश्लेषण कीजिए। (Model Paper-2026)





Q.14 सिंधु सभ्यता से प्राप्त मुहरों पर बनी आकृतियों का विश्लेषण कीजिए। **(Model Paper-2026)**

उत्तर :

1. हड़प्पाई मुहरों पर सामान्यतः जानवरों की आकृतियाँ बनाई गई थीं।
2. एक सींग वाला काल्पनिक अथवा संश्लिष्ट जानवर भी मुहरों पर मिलता है, जिसे एकश्रृंगी कहा गया है।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

3. कुछ मुहरों पर पेड़-पौधों के चित्र मिले हैं, जिन्हें प्रकृति-पूजा से जोड़ा गया है।
4. कुछ मुहरों पर संभवतः अनुष्ठान के दृश्य बने हैं।
5. पालथी मारकर बैठी तथा जानवरों से घिरी एक आकृति को कुछ विद्वानों ने 'आद्य शिव' कहा है।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.15 हड़प्पा सभ्यता के पतन में अनेक कारण उत्तरदायी थे। उल्लेख कीजिए।

(Model Paper-2025 , RBSE-2024)

Q.15 हड़प्पा सभ्यता के पतन में अनेक कारण उत्तरदायी थे। उल्लेख कीजिए।

(Model Paper-2025 , RBSE-2024)

उत्तर :

हड़प्पा सभ्यता के पतन के लिए निम्न संभावित कारण बताए गए हैं—

1. जलवायु परिवर्तन।
2. वनों की कटाई।

लघूत्तरात्मक प्रश्न



3. अत्यधिक बाढ़।
4. नदियों का सूख जाना।
5. नदियों का मार्ग बदल लेना।
6. भूमि का अत्यधिक उपयोग।

इनमें से कोई एक कारण पूरी सभ्यता के पतन की व्याख्या नहीं करता। अलग-अलग कारण कुछ विशेष बस्तियों के संदर्भ में सही हो सकते हैं।

लघु || दीर्घ

पतन



दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

Q.1 हड़प्पा संस्कृति के विकास में प्रारंभिक कृषक समुदायों की भूमिका स्पष्ट कीजिए।



दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

Q.1 हड़प्पा संस्कृति के विकास में प्रारंभिक कृषक समुदायों की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

- हड़प्पा सभ्यता से पूर्व इस क्षेत्र में अनेक प्रारंभिक संस्कृतियाँ विद्यमान थीं।
- इनमें कृषि, पशुपालन और शिल्पकारी के प्रमाण मिलते हैं।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

- प्रारंभिक बस्तियाँ सामान्यतः छोटी थीं तथा उनमें बड़ी संरचनाओं का अभाव था।
- पुरातात्विक साक्ष्य लगभग 7000 ई.पू. के कृषक समुदायों की उपस्थिति दर्शाते हैं।
- इन्हीं समुदायों की पृष्ठभूमि में प्रारंभिक हड़प्पा संस्कृति का विकास हुआ।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

Q.2 दुर्ग और निचले शहर में अंतर स्पष्ट कीजिए।



दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

उत्तर :

आधार	दुर्ग	निचला शहर
आकार	आकार में छोटा	आकार में अधिक बड़ा
स्थिति	अधिक ऊँचाई पर स्थित	अपेक्षाकृत नीचे स्थित
निर्माण	कच्ची ईंटों के ऊँचे चबूतरों पर निर्मित	अनेक भवन ऊँचे चबूतरों पर निर्मित
घेराबंदी	दीवार से घिरा हुआ	दीवार से घिरा हुआ
स्वरूप	विशिष्ट सार्वजनिक संरचनाओं वाला क्षेत्र	मुख्यतः आवासीय क्षेत्र
प्रमुख संरचनाएँ	मालगोदाम और विशाल स्नानागार	आँगन वाले घर, स्नानघर और कुएँ
नगर व्यवस्था	विशिष्ट सार्वजनिक भवनों की व्यवस्था	ग्रिड पद्धति की सड़कें और नालियाँ

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

Q.3 दुर्ग क्षेत्र में स्थित अन्य संरचनाओं का वर्णन कीजिए।



दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

Q.3 दुर्ग क्षेत्र में स्थित अन्य संरचनाओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

- विशाल स्नानागार के तीनों ओर कक्ष बने थे।
- एक कक्ष में बड़ा कुआँ था।
- जलाशय का पानी एक बड़े नाले में बह जाता था।
- स्नानागार के उत्तर में आठ स्नानघरों वाली संरचना थी।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

- एक गलियारे के दोनों ओर चार-चार स्नानघर बने थे।
- प्रत्येक स्नानघर की नाली गलियारे के साथ बने नाले से जुड़ी थी।
- इन संरचनाओं का प्रयोग संभवतः विशिष्ट सार्वजनिक अथवा आनुष्ठानिक प्रयोजनों के लिए किया जाता था।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

Q.4 हड़प्पा सभ्यता का सबसे अनूठा पहलू शहरी केन्द्रों का विकास था। स्पष्ट कीजिए। (RBSE–2025)

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

Q.4 हड़प्पा सभ्यता का सबसे अनूठा पहलू शहरी केन्द्रों का विकास था। स्पष्ट कीजिए। (RBSE–2025)

उत्तर :

- हड़प्पाई नगर पूर्व नियोजित थे।
- नगर सामान्यतः दुर्ग और निचले शहर में विभाजित थे।
- सड़कें और गलियाँ ग्रिड पद्धति पर बनी थीं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- पहले नालियों के साथ गलियाँ बनाई गईं और फिर उनके अगल-बगल आवासों का निर्माण किया गया।
- पूरे हड़प्पाई क्षेत्र में मानकीकृत ईंटों का प्रयोग होता था।
- घरों में आँगन, स्नानघर और कुएँ थे।
- जल-निकास व्यवस्था अत्यंत विकसित थी।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

- विशाल स्नानागार और मालगोदाम जैसी सार्वजनिक संरचनाएँ थीं।
- विशाल निर्माण कार्यों में बड़े पैमाने पर श्रम लगाया गया था।
- लोथल और धौलावीरा में नगर-नियोजन की स्थानीय विविधताएँ दिखाई देती हैं।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

Q.5 हड़प्पा सभ्यता का सबसे अनूठा पहलू शहरी केन्द्रों का विकास था। स्पष्ट कीजिए। (Model Paper–2025)



दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

Q.5 हड़प्पा सभ्यता का सबसे अनूठा पहलू शहरी केन्द्रों का विकास था। स्पष्ट कीजिए। (Model Paper–2025)

उत्तर :

- मोहनजोदड़ो दुर्ग और निचले शहर में विभाजित था।
- दुर्ग छोटा, ऊँचा तथा दीवार से घिरा था।
- निचला शहर बड़ा और मुख्यतः आवासीय क्षेत्र था।
- सड़कें और गलियाँ ग्रिड पद्धति से बनी थीं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- यहाँ विकसित जल-निकास प्रणाली थी।
- घर आँगन के चारों ओर बने थे।
- घरों में स्नानघर और उनसे जुड़ी नालियाँ थीं।
- यहाँ लगभग 700 कुएँ होने का अनुमान है।
- दुर्ग में मालगोदाम और विशाल स्नानागार थे।
- मानकीकृत ईंटें और विशाल चबूतरे पूर्व नियोजन तथा बड़े पैमाने पर श्रम की आवश्यकता दर्शाते हैं।

Q.6 आप कैसे कह सकते हैं कि सिंधु घाटी सभ्यता के निवासियों का सुदूर क्षेत्रों से संपर्क था?

(RBSE-2022)

Q.6 आप कैसे कह सकते हैं कि सिंधु घाटी सभ्यता के निवासियों का सुदूर क्षेत्रों से संपर्क था?

(RBSE-2022)

उत्तर :

1. ताँबा संभवतः ओमान से लाया जाता था।
2. ओमानी ताँबे और हड़प्पाई पुरावस्तुओं में निकल के समान अंश पाए गए हैं।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

3. ओमान में काली परत वाले हड़प्पाई मर्तबान मिले हैं।
4. मेसोपोटामिया के लेखों में दिलमुन, मगान और मेलुहा का उल्लेख है।
5. मेलुहा से कार्नीलियन, लाजवर्द मणि, ताँबा, सोना और विविध प्रकार की लकड़ियाँ प्राप्त होने का उल्लेख मिलता है।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

6. मेसोपोटामिया में हड़प्पाई मुहरें, बाट, पासे और मनके मिले हैं।
7. मुहरों पर नावों और जहाजों के चित्र मिले हैं।
8. मेसोपोटामिया के लेख मेलुहा को नाविकों का देश कहते हैं।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

Q.7 आप कैसे कह सकते हैं कि सिंधु घाटी सभ्यता की लिपि एक रहस्यमय लिपि थी?

(RBSE-2025)

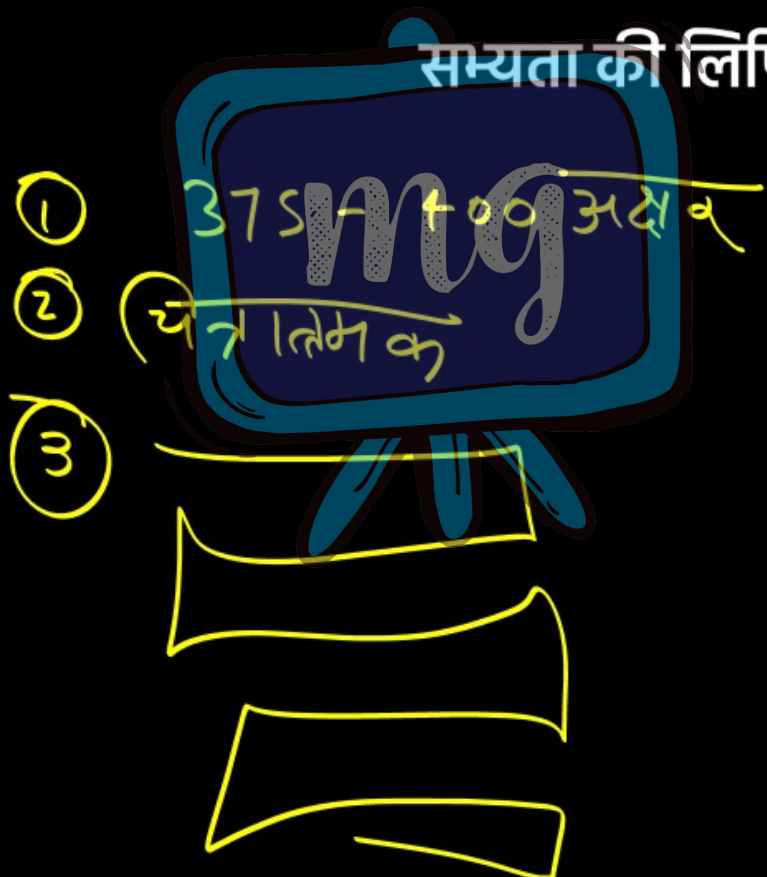

Q.7 आप कैसे कह सकते हैं कि सिंधु घाटी सभ्यता की लिपि एक रहस्यमय लिपि थी?

(RBSE-2025)

उत्तर :

1. हड़प्पाई लिपि को आज तक पढ़ा नहीं जा सका है।
2. अधिकांश अभिलेख बहुत छोटे हैं।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

3. सबसे लंबे अभिलेख में लगभग 26 चिह्न हैं।
4. इसमें लगभग 375 से 400 चिह्न पाए गए हैं।
5. चिह्नों की अधिक संख्या के कारण यह वर्णमालीय लिपि नहीं थी।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

6. संभवतः इसे दाईं से बाईं ओर लिखा जाता था।
7. यह मुहरों, ताँबे के औजारों, मर्तबानों के अँवठों, लघुपट्टिकाओं, आभूषणों और अस्थि-छड़ों पर मिलती है।
8. किसी द्विभाषिक अभिलेख के न मिलने से इसे पढ़ना कठिन बना हुआ है।

निबंधात्मक प्रश्न

Q.1 सिंधु घाटी सभ्यता की प्रमुख विशेषताओं की विवेचना कीजिए। (Model Paper-2024)

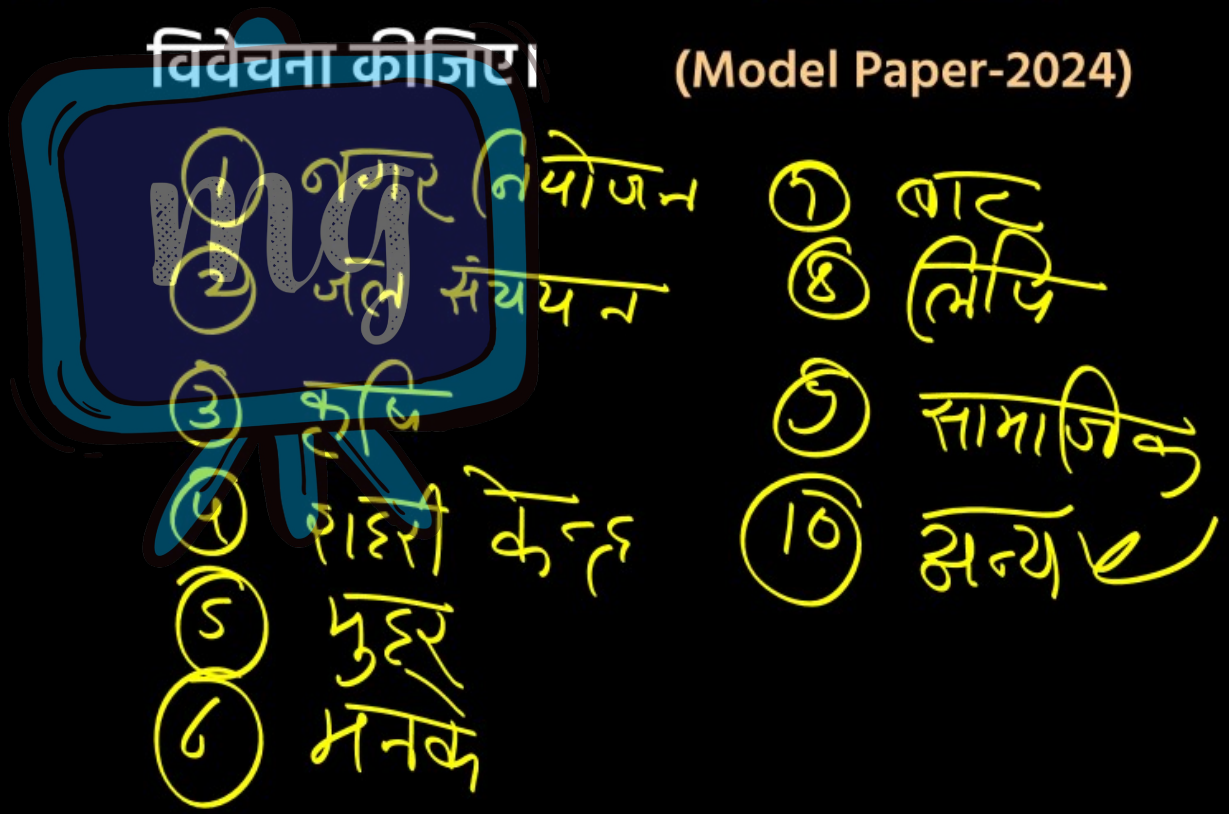

निबंधात्मक प्रश्न

Q.1 सिंधु घाटी सभ्यता की प्रमुख विशेषताओं की विवेचना कीजिए। (Model Paper-2024)

उत्तर :

- परिपक्व हड़प्पा काल हड़प्पा सभ्यता का सबसे समृद्ध चरण था।
- इस काल में सुनियोजित नगरों का विकास हुआ।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

निबंधात्मक प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- नगर सामान्यतः दुर्ग और निचले शहर में विभाजित थे।
- सड़कों का निर्माण ग्रिड पद्धति से किया गया था।
- जल-निकास व्यवस्था अत्यंत विकसित थी।
- निश्चित अनुपात की पकी और कच्ची ईंटों का प्रयोग होता था।

निबंधात्मक प्रश्न

- घरों में आँगन, स्नानघर, कुएँ और नालियाँ होती थीं।
- विशाल स्नानागार और मालगोदाम जैसी सार्वजनिक संरचनाएँ बनाई गई थीं।
- पेड़-पौधों तथा पशुओं, जिनमें मछली भी शामिल थी, से भोजन प्राप्त किया जाता था।

निबंधात्मक प्रश्न

- गेहूँ, जौ, दाल, सफेद चना, तिल, बाजरा और थोड़ी मात्रा में चावल के प्रमाण मिले हैं।
- मनके, मुहरें, बाट, शंख और धातु की वस्तुएँ बनाई जाती थीं।
- शिल्प-उत्पादन के लिए विशेष केंद्र स्थापित थे।

निबंधात्मक प्रश्न

- ओमान, बहरीन और मेसोपोटामिया जैसे सुदूर क्षेत्रों से संपर्क के संकेत मिले हैं।
- बाटों, ईंटों, मृदभाण्डों और मुहरों में एकरूपता पाई जाती थी।
- हड़प्पाई लिपि अब तक पढ़ी नहीं जा सकी है।

निबंधात्मक प्रश्न

Q.2 भारत के मानचित्र में अंकित कीजिए–

1. मोहनजोदड़ो, हड़प्पा और धौलावीरा
2. राखीगढ़ी (RBSE-2026, RBSE-2024)
3. मितथल, मांडा और रंगपुर

(RBSE-2026, RBSE-2024, RBSE-2023)

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

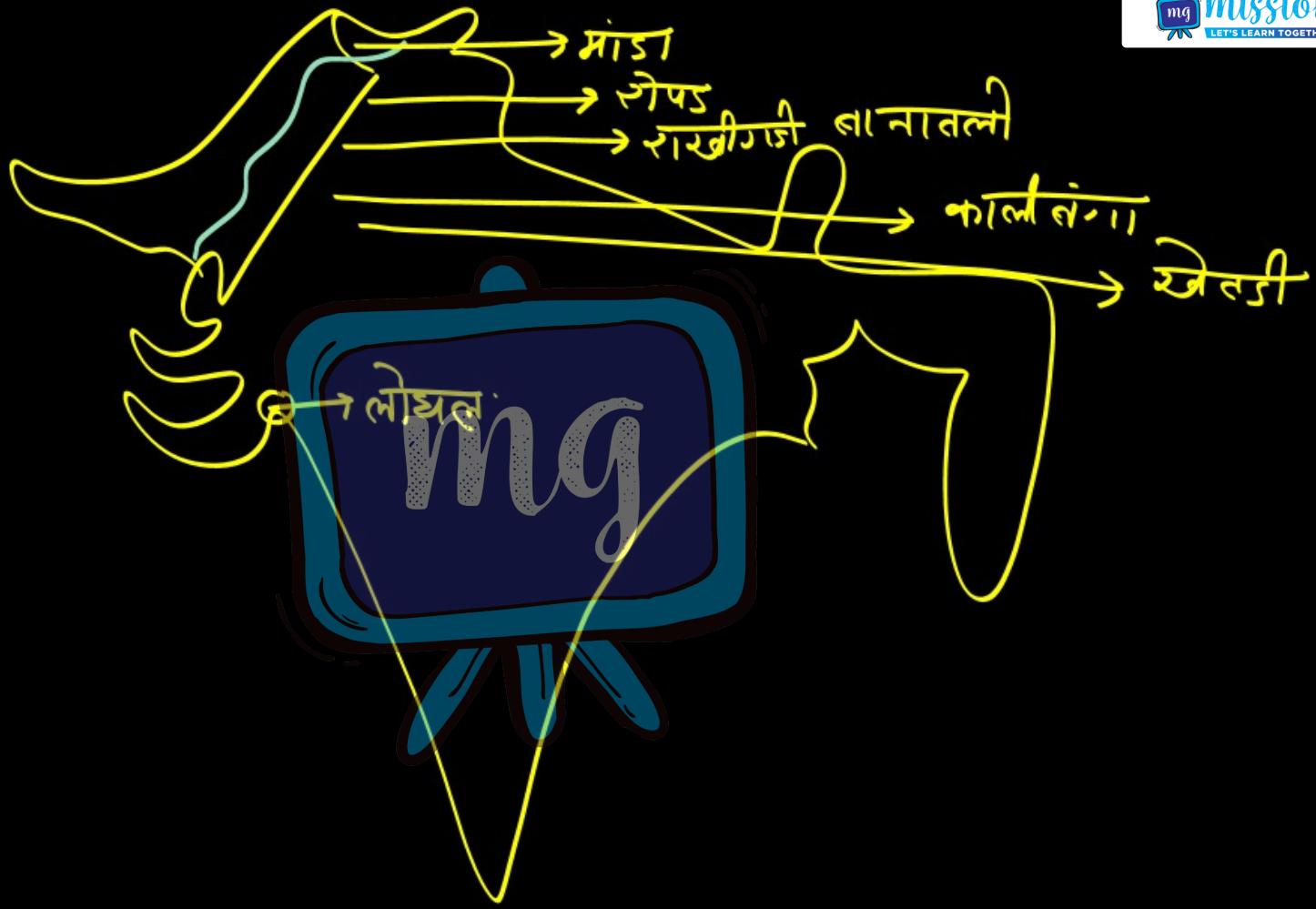

निबंधात्मक प्रश्न

Q.3 सिंधु घाटी सभ्यता के निर्वाह के तरीकों से सिंधुवासियों की किन गतिविधियों का अनुमान लगाया जा सकता है? (Model Paper—2026)

निबंधात्मक प्रश्न

Q.3 सिंधु घाटी सभ्यता के निर्वाह के तरीकों से सिंधुवासियों की किन गतिविधियों का अनुमान लगाया जा सकता है? (Model Paper—2026)

उत्तर :

- सिंधुवासी गेहूँ, जौ, दाल, सफेद चना और तिल की खेती करते थे।
- गुजरात के स्थलों पर बाजरे के दाने मिले हैं।

निबंधात्मक प्रश्न

- चावल के प्रमाण अपेक्षाकृत कम मिले हैं।
- वे मवेशी, भेड़, बकरी, भैंस और सूअर पालते थे।
- मछली और पक्षियों से भी भोजन प्राप्त किया जाता था।
- जंगली वराह, हिरण और घड़ियाल की हड्डियाँ मिली हैं, लेकिन उनके शिकार के विषय में निश्चित जानकारी नहीं है।

निबंधात्मक प्रश्न

- खेत जोतने के लिए संभवतः बैलों का उपयोग होता था।
- बनावली और चोलिस्तान से मिट्टी के हल के प्रतिरूप मिले हैं।
- कालीबंगन से जुते हुए खेत का प्रमाण मिला है।
- सिंचाई के लिए नहरों, कुओं और जलाशयों का प्रयोग संभव था।

निबंधात्मक प्रश्न

- अनाज पीसने के लिए पत्थर की चक्कियाँ प्रयोग की जाती थीं।
- खेती, पशुपालन, पेड़-पौधों से उत्पाद प्राप्त करना तथा खाद्य सामग्री तैयार करना निर्वाह की प्रमुख गतिविधियाँ थीं।

निबंधात्मक प्रश्न

Q.4 भारत के मानचित्र में अंकित कीजिए–

धौलावीरा और कालीबंगन को भारत के मानचित्र में अंकित कीजिए।



निबंधात्मक प्रश्न

Q.5 सिंधु घाटी सभ्यता के नगर नियोजन से लोगों की जीवनशैली और बुद्धिमत्ता का क्या पता चलता है?

(RBSE–2026)

निबंधात्मक प्रश्न

Q.5 सिंधु घाटी सभ्यता के नगर नियोजन से लोगों की जीवनशैली और बुद्धिमत्ता का क्या पता चलता है?

(RBSE–2026)

उत्तर :

- नगर-नियोजन उनकी विकसित निर्माण तकनीक और सुव्यवस्थित जीवन का संकेत देता है।

निबंधात्मक प्रश्न

- नगर दुर्ग और निचले शहर में विभाजित थे।
- पूरी बस्ती का निर्माण पूर्व योजना के अनुसार किया गया था।
- सड़कें ग्रिड पद्धति पर बनी थीं और समकोण पर काटती थीं।
- पहले नालियों के साथ गलियाँ बनाई गईं और बाद में उनके अगल-बगल आवास बने।

निबंधात्मक प्रश्न

- प्रत्येक घर का स्नानघर गली की नाली से जुड़ा था।
- नालियाँ ढकी हुई और सफाई योग्य थीं।
- ठोस पदार्थ एकत्र करने के लिए हौदियाँ बनाई गई थीं।
- समान अनुपात की ईंटें मानकीकरण दर्शाती हैं।

निबंधात्मक प्रश्न

- घरों में आँगन, स्नानघर, कुएँ और सीढ़ियाँ थीं।
- घरों की बनावट में एकांतता का ध्यान रखा गया था।
- विशाल स्नानागार में जलबद्ध निर्माण तकनीक का प्रयोग किया गया था।
- विशाल निर्माणों के लिए बड़े पैमाने पर श्रम की आवश्यकता थी।

निबंधात्मक प्रश्न

Q.6 सिंधु घाटी सभ्यता के गृह स्थापत्य पर प्रकाश डालिए। (RBSE–2023)



निबंधात्मक प्रश्न

Q.6 सिंधु घाटी सभ्यता के गृह स्थापत्य पर प्रकाश डालिए। (RBSE–2023)

उत्तर :

- मोहनजोदड़ो के निचले शहर में आवासीय भवन मिले हैं।
- अधिकांश घर आँगन के चारों ओर बने थे।
- आँगन खाना पकाने और कताई जैसी गतिविधियों का मुख्य केंद्र था।

निबंधात्मक प्रश्न

- भूमि तल की दीवारों में खिड़कियाँ नहीं थीं।
- मुख्य द्वार से घर का आंतरिक भाग या आँगन सीधे दिखाई नहीं देता था।
- यह लोगों द्वारा एकांतता को दिए गए महत्त्व का संकेत है।
- हर घर में ईंटों के फर्श वाला स्नानघर था।

निबंधात्मक प्रश्न

- घरेलू नालियाँ सड़क की नालियों से जुड़ी थीं।
- कुछ घरों में दूसरे तल या छत पर जाने के लिए सीढ़ियाँ थीं।
- अनेक घरों में कुएँ बने थे।
- कुछ कुओं तक बाहर से भी पहुँचा जा सकता था।

निबंधात्मक प्रश्न

Q.7 मोहनजोदड़ो के विशाल स्नानागार की बनावट एवं महत्व पर प्रकाश डालिए। (RBSE–2023)



निबंधात्मक प्रश्न

Q.7 मोहनजोदड़ो के विशाल स्नानागार की बनावट एवं महत्व पर प्रकाश डालिए। (RBSE–2023)

उत्तर :

- विशाल स्नानागार दुर्ग क्षेत्र में बना आयताकार जलाशय था।
- यह चारों ओर से एक गलियारे से घिरा था।

निबंधात्मक प्रश्न

- इसके उत्तर और दक्षिण दिशा में सीढ़ियाँ थीं।
- ईंटों और जिप्सम के गारे से इसे जलबद्ध बनाया गया था।
- इसके तीनों ओर कक्ष बने थे।
- एक कक्ष में बड़ा कुआँ था।

निबंधात्मक प्रश्न

- जलाशय का पानी एक बड़े नाले में बह जाता था।
- इसके उत्तर में आठ स्नानघरों वाली संरचना थी।
- इसका प्रयोग संभवतः किसी प्रकार के विशेष आनुष्ठानिक स्नान के लिए होता था।

निबंधात्मक प्रश्न

Q.8 सिंधु सभ्यता के गृह स्थापत्य की कौन-कौन सी विशेषताएँ आज भी प्रासंगिक हैं? (RBSE–2022)



निबंधात्मक प्रश्न

Q.8 सिंधु सभ्यता के गृह स्थापत्य की कौन-कौन सी विशेषताएँ आज भी प्रासंगिक हैं? (RBSE–2022)

उत्तर :

- आँगन के चारों ओर कमरों का निर्माण।
- प्रत्येक घर में अलग स्नानघर की व्यवस्था।
- घरेलू नालियों को गलियों की मुख्य नालियों से जोड़ना।

निबंधात्मक प्रश्न

- नालियों को ढकना और उनकी सफाई की व्यवस्था रखना।
- ठोस पदार्थों के लिए हौदी या मलकुंड बनाना।
- घरों की एकांतता बनाए रखना।
- आवासों में कुओं की व्यवस्था करना।

निबंधात्मक प्रश्न

- दूसरे तल या छत तक जाने के लिए सीढ़ियों का प्रयोग करना।
- नियोजित सड़कों और गलियों के अनुसार घर बनाना।

निबंधात्मक प्रश्न

Q.9 मोहनजोदड़ो का निचला शहर दुर्ग से किस प्रकार भिन्न था? क्या दुर्ग पर अन्य संरचनाएँ भी थीं?

(Model Paper–2023)

निबंधात्मक प्रश्न

उत्तर :

आधार	दुर्ग	निचला शहर
आकार एवं स्थिति	छोटा और ऊँचा भाग	बड़ा और अपेक्षाकृत नीचे स्थित भाग
निर्माण	कच्ची ईंटों के ऊँचे चबूतरों पर निर्मित	मुख्यतः आवासीय क्षेत्र
घेराबंदी	दीवार द्वारा अलग किया गया	आँगन के चारों ओर बने घर
प्रमुख संरचनाएँ	मालगोदाम और विशाल स्नानागार	स्नानघर, कुएँ और घरेलू नालियाँ
स्वरूप एवं व्यवस्था	विशिष्ट सार्वजनिक संरचनाओं वाला क्षेत्र	ग्रिड पद्धति की सड़कें और गलियाँ

दुर्ग पर स्थित अन्य संरचनाएँ–

- विशाल स्नानागार के उत्तर में आठ स्नानघरों वाली संरचना थी।
- गलियारे के दोनों ओर चार-चार स्नानघर बने हुए थे।
- प्रत्येक स्नानघर की नाली गलियारे के साथ बने नाले से जुड़ी हुई थी।

निबंधात्मक प्रश्न

Q.10 भारत के मानचित्र में अंकित कीजिए

(RBSE-2025, RBSE-2023)



धौलावीरा को भारत के मानचित्र में अंकित कीजिए।

निबंधात्मक प्रश्न

Q11. पुरातत्ववेत्ताओं को ऐसे कौन से साक्ष्य मिले हैं जिनसे पता चलता है कि हड़प्पावासियों का सुदूर देशों से संपर्क था? क्या इससे पता चलता है कि संपर्क से एक-दूसरे के साथ अच्छे व्यापारिक रिश्ते साबित हुए

अथवा

हड़प्पावासियों ने किस सीमा तक विश्व के साथ व्यापारिक संबंध स्थापित किये थे?

निबंधात्मक प्रश्न

उत्तर : पुरातत्वविदों को ऐसे कई सबूत मिले हैं जिनसे पता चलता है कि हड़प्पावासियों का संपर्क सुदूर देशों से था। महत्वपूर्ण साक्ष्य हैं

1. हाल की पुरातात्विक खोजों से पता चलता है कि तांबा संभवत: अरब प्रायद्वीप के दक्षिण-पूर्वी सिरे पर स्थित ओमान से लाया गया था। इसके अलावा रासायनिक विश्लेषण से ओमानी तांबे और हड़प्पा दोनों कलाकृतियों में निकल के निशान साबित हुए हैं। इससे दोनों की एक समान उत्पत्ति का पता चलता है।

निबंधात्मक प्रश्न

2. ओमानी स्थलों पर काली मिट्टी की मोटी परत से लेपित एक बड़ा हड़प्पाकालीन जार मिला था। यह संभव है कि हड़प्पावासियों ने इन जहाजों की सामग्री को ओमानी तांबे से बदल दिया हो।
3. तीसरी सहस्राब्दी ईसा पूर्व के मेसोपोटामिया ग्रंथों में उल्लेख किया गया है कि तांबा मगन नामक क्षेत्र से आया था। इतिहासकारों ने सोचा कि शायद यह ओमान का दूसरा नाम है।

मेसोपोटामिया के ग्रंथों में दिलमुन (संभवतः बहरीन द्वीप), मगन और मेलुहा, संभवतः हड़प्पा क्षेत्र नामक क्षेत्रों के साथ संपर्क का भी उल्लेख किया गया है। मेलुहा नाविकों की भूमि थी। मेलुहा के कई उत्पादों का जिक्र किया गया. ये कार्नेलियन, लापीस लाजुली, तांबा, सोना और लकड़ी की किस्में थीं।

4. अन्य पुरातात्विक खोजों से लंबी दूरी के संपर्क का पता चलता है जिसमें हड़प्पा की मुहरें, बाट, पासे और मोती शामिल हैं।

निबंधात्मक प्रश्न

इन सभी साक्ष्यों से पता चलता है कि हड़प्पा सभ्यता समुद्र के रास्ते ओमान, बहरीन या मेसोपोटामिया से जुड़ी हुई थी।

5. मुहरों पर जहाजों और नावों का चित्रण विभिन्न देशों के बीच व्यापार संबंधों को दर्शाता है।
6. मेसोपोटामिया में पाए गए सिलेंडर सील में कूबड़ वाले बैल की आकृति है जिसे सिंधु क्षेत्र से प्राप्त किया जा सकता है। बहरीन में पाई जाने वाली गोल फारस की खाड़ी की सील पर कभी-कभी हड़प्पा रुपांकनों का चित्रण मिलता है।

निबंधात्मक प्रश्न

स्थानीय 'दिलमुन' बाटों ने हड़प्पा मानक का अनुसरण किया।

इन सभी साक्ष्यों से पता चलता है कि हड़प्पा सभ्यता के अन्य क्षेत्रों के साथ अच्छे व्यापारिक संबंध थे।



निबंधात्मक प्रश्न

Q.12 मोहनजोदड़ो की स्थापत्य विशेषताएं किस प्रकार योजना का संकेत देती हैं? उदाहरण सहित कथन का समर्थन करें।

निबंधात्मक प्रश्न

उत्तर: हड़प्पा सभ्यता की सबसे अनोखी विशेषता शहरी केंद्रों का विकास था। मोहनजोदड़ो हड़प्पा सभ्यता का सबसे प्रसिद्ध स्थल है।

मोहनजोदड़ो की सबसे अनोखी स्थापत्य विशेषता निम्नलिखित हैं: गढ़ यह छोटा लेकिन ऊंचा था। यह दीवार से घिरा हुआ था और निचले शहर से भौतिक रूप से अलग था। यहां इमारतों का निर्माण मिट्टी, ईंटों के चबूतरे से किया गया था।

निबंधात्मक प्रश्न

यहां हमें कुछ ऐसी संरचनाएं मिलीं जिनका उपयोग संभवतः विशेष सार्वजनिक उद्देश्यों के लिए किया जाता था।

इनमें गोदाम, एक विशाल संरचना और 'ग्रेट बाथ' शामिल हैं। 'ग्रेट बाथ' की संरचना की विशिष्टता से पता चलता है कि यह किसी प्रकार के विशेष अनुष्ठान स्नान के लिए बनाया गया था।

निचला शहर निचला शहर भी दीवारों से घिरा हुआ था।

निबंधात्मक प्रश्न

कई इमारतें प्लेटफार्मों पर बनाई गईं, जो नींव के रूप में काम करती थीं। शहर के भीतर सभी निर्माण गतिविधियाँ प्लेटफार्मों पर एक निश्चित क्षेत्र तक ही सीमित थीं। सभी हड़प्पा बस्तियों में धूप में सुखाई गई या पकी हुई ईंटों का उपयोग किया जाता था।

घरों का आंगन खाना पकाने और बुनाई जैसी गतिविधियों का केंद्र था, खासकर गर्म और शुष्क मौसम के दौरान। ज़मीनी स्तर की दीवारों में कोई खिड़कियाँ नहीं थीं।

निबंधात्मक प्रश्न

इसके अलावा, मुख्य, प्रवेश द्वार से आंतरिक भाग या आंगन का सीधा दृश्य नहीं दिखता था।

जल निकासी व्यवस्था मोहनजोदड़ो में जल निकासी व्यवस्था की सावधानीपूर्वक योजना बनाई गई थी। सड़कें और सड़कें लगभग 'ग्रिड' पैटर्न के अनुसार बनाई गई थीं, जो समकोण पर प्रतिच्छेद करती थीं। ऐसा लगता है कि पहले नालियों वाली सड़कें बनाई गईं और फिर उनके किनारे घर बनाए गए।

निबंधात्मक प्रश्न

प्रत्येक घर में ईंटों से पक्का अपना बाथरूम होता था, जिसकी नालियाँ दीवारों के माध्यम से सड़क की नालियों से जुड़ी होती थीं। जल निकासी प्रणालियाँ न केवल बड़े शहरों के लिए अद्वितीय थीं, बल्कि छोटी बस्तियों में भी पाई जाती थीं। इन सभी विशेषताओं से पता चलता है कि मोहनजोदड़ो में एक सुनियोजित वास्तुशिल्प प्रणाली थी।

निबंधात्मक प्रश्न

Q.13 हड़प्पाई कब्रों और विलासिता की वस्तुओं से प्राप्त सामाजिक संकेतों की समीक्षा कीजिए।



निबंधात्मक प्रश्न

Q.13 हड़प्पाई कब्रों और विलासिता की वस्तुओं से प्राप्त सामाजिक संकेतों की समीक्षा कीजिए।

उत्तर:

- हड़प्पाई कब्रें सामान्यतः गर्तों के रूप में थीं।
- कुछ गर्तों की सतह पर ईंटों की चिनाई संभावित सामाजिक अंतर की ओर संकेत कर सकती है, पर यह निश्चित नहीं है।

निबंधात्मक प्रश्न

- कब्रों में मृदभाण्ड, आभूषण और ताँबे के दर्पण मिले हैं।
- पुरुषों और महिलाओं दोनों के शवाधानों में आभूषण मिले हैं।
- बहुमूल्य वस्तुएँ अधिक मात्रा में दफनाई नहीं जाती थीं।

निबंधात्मक प्रश्न

- उपयोगी वस्तुएँ लगभग सभी बस्तियों में मिली हैं।
- दुर्लभ और कीमती वस्तुएँ बड़े नगरों में अधिक केंद्रित थीं।
- फयॉन्स के लघुपात्र मोहनजोदड़ो और हड़प्पा में मिले हैं।
- कालीबंगन जैसी छोटी बस्ती में ऐसे पात्र नहीं मिले।

निबंधात्मक प्रश्न

- सोने के आभूषण केवल संचयों से प्राप्त हुए हैं।
- इन प्रमाणों से सामाजिक अंतर का अनुमान मिलता है।
- फिर भी सामाजिक भिन्नता का निश्चित निष्कर्ष निकालना कठिन है।

निबंधात्मक प्रश्न

Q.14 सिंधु घाटी सभ्यता के शिल्प उत्पादन से उस समय के आर्थिक और सामाजिक जीवन की झलक कैसे मिलती है?

(RBSE-2026)



निबंधात्मक प्रश्न

Q.14 सिंधु घाटी सभ्यता के शिल्प उत्पादन से उस समय के आर्थिक और सामाजिक जीवन की झलक कैसे मिलती है? (RBSE-2026)

उत्तर :

1. चन्हुदड़ो जैसी बस्ती लगभग पूरी तरह शिल्प-उत्पादन में संलग्न थी।
2. मनके बनाना, शंख काटना, धातुकर्म, मुहर और बाट बनाना प्रमुख शिल्प थे।

निबंधात्मक प्रश्न

3. कार्नीलियन, जैस्पर, स्फटिक, क्वार्ट्ज, सेलखड़ी, सोना, ताँबा और काँसा प्रयोग होते थे।

4. मनके बनाने के लिए कटाई, आग में पकाना, घिसाई, पॉलिश और छेद करने जैसी तकनीकों का प्रयोग होता था।

निबंधात्मक प्रश्न

5. नागेश्वर और बालाकोट शंख की वस्तुओं के विशेष उत्पादन केंद्र थे।
6. चन्हुदड़ो, लोथल और धौलावीरा से मनकों में छेद करने के विशेष उपकरण मिले हैं।
7. कुछ कच्चा माल दूरस्थ क्षेत्रों से प्राप्त किया जाता था।

निबंधात्मक प्रश्न

8. बैलगाड़ी, नदी और तटीय मार्गों से माल पहुँचाया जाता था।

9. खेतड़ी क्षेत्र से ताँबा और दक्षिण भारत से सोना प्राप्त करने के लिए अभियान भेजे जाते थे तथा शोर्तुघई लाजवर्द मणि के स्त्रोत के निकट था।

निबंधात्मक प्रश्न

10. तैयार माल संभवतः छोटे उत्पादन केंद्रों से मोहनजोदड़ो और हड़प्पा जैसे बड़े नगरों में भेजा जाता था।
11. दुर्लभ और महँगी वस्तुओं का बड़े नगरों में अधिक मिलना सामाजिक भिन्नता की ओर संकेत करता है।
12. शिल्प-उत्पादन से विशेषीकृत कार्यों और दूरगामी संपर्कों की जानकारी मिलती है।

निबंधात्मक प्रश्न

Q.15 भारत के मानचित्र में अंकित कीजिए–

1. लोथल को भारत के मानचित्र में अंकित कीजिए। (RBSE-2026, RBSE-2025)



निबंधात्मक प्रश्न

Q.16 यदि सिंधु सभ्यता की लिपि पढ़ ली जाए तो भारतीय इतिहास लेखन पर क्या प्रभाव पड़ेगा?

(Model Paper-2026)



Q.16 यदि सिंधु सभ्यता की लिपि पढ़ ली जाए तो भारतीय इतिहास लेखन पर क्या प्रभाव पड़ेगा?

(Model Paper-2026)

उत्तर :

1. हड़प्पावासियों द्वारा बोली जाने वाली भाषा के विषय में जानकारी मिल सकती है।
2. मुहरों पर लिखे लेख संभवतः मालिकों के नाम और पदवियों से संबंधित थे; इनके विषय में अधिक स्पष्टता मिल सकती है।

निबंधात्मक प्रश्न

3. विभिन्न वस्तुओं पर मिले अभिलेखों के अर्थ समझे जा सकते हैं।
4. हड़प्पाई साक्षरता की व्यापकता से संबंधित प्रश्नों को समझने में सहायता मिल सकती है।
5. अध्याय के अनुसार यह निश्चित नहीं है कि लिपि पढ़े जाने पर सभ्यता के विषय में कितना अतिरिक्त ज्ञान प्राप्त होगा।

निबंधात्मक प्रश्न

6. किसी द्विभाषिक अभिलेख की प्राप्ति से हड़प्पावासियों की भाषा से जुड़े प्रश्नों पर संभवतः विराम लग सकता है।



निबंधात्मक प्रश्न

Q.17 सिंधु घाटी के निवासियों के धार्मिक विश्वासों एवं रीति-रिवाजों की प्रमुख विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

(Model Paper-2024)



Q.17 सिंधु घाटी के निवासियों के धार्मिक विश्वासों एवं रीति-रिवाजों की प्रमुख विशेषताओं का विवेचन कीजिए। (Model Paper-2024)

उत्तर :

आभूषणों से युक्त कुछ नारी मृण्मूर्तियों को आरंभिक पुरातत्वविदों ने मातृदेवी माना।

1. मानकीकृत मुद्रा में बैठी एक पुरुष मूर्ति को 'पुरोहित-राजा' कहा गया।

निबंधात्मक प्रश्न

2. विशाल स्नानागार को विशेष आनुष्ठानिक स्नान से जोड़ा गया है।
3. कालीबंगन और लोथल की कुछ संरचनाओं को वेदियाँ माना गया।
4. कुछ मुहरों पर संभवतः अनुष्ठान के दृश्य बने हैं।
5. पेड़-पौधों के चित्रों को प्रकृति-पूजा का संकेत माना गया है।

निबंधात्मक प्रश्न

6. पालथी मारकर बैठी और पशुओं से घिरी एक आकृति को कुछ विद्वानों ने 'आद्य शिव' कहा।

7. शंक्वाकार पत्थरों को कभी लिंग माना गया, लेकिन संभव है कि उनका प्रयोग खेल में किया जाता हो।

निबंधात्मक प्रश्न

8. कुछ कब्रों में मृदभाण्ड और आभूषण मिले हैं, जो मृत्योपरांत उनके प्रयोग की मान्यता का संकेत दे सकते हैं।
9. मृतकों के साथ सामान्यतः बहुत अधिक बहुमूल्य वस्तुएँ दफनाई नहीं जाती थीं।